**प्रोमिसरी नोट (रूक्के) के आधार पर वाद योजित**

**(Suit on a Promissory Note)**

 **न्यायालय जू० डि०/सीनियर डि० न्यायाधीश**

वाद संख्या ............ सन् 2000

अ० ब०स० ............ वादी

बनाम

स०न्द० फ० ............ प्रतिवादी

1. उपरोक्त नामित वादी सविनय सादर निम्न प्रकार निवेदन करता है :

यह कि प्रतिवादी द्वारा दिनांक ............ को वादी से अंकन रू० ............ मासिक ब्याज

... % की दर से उधार लिये थे और उसके ऐवज में प्रतिवादी द्वारा एक प्रोमिसरी नोट (रूक्का) व रसीद उसी दिन निष्पाक्षित किया गया था। धनराशि माँगने पर उपरोक्त ब्याज सहित भुगतान की जानी थी।

1. यह कि वादी द्वारा उक्त मूलधन की माँग प्रोदभूत ब्याज सहित एक पंजीकृत पत्र द्वारा की गई जो कि प्रतिवादी द्वारा दिनांक ............ को प्राप्त किया गया परन्तु प्रतिवादी द्वारा अंकन रू०…….की मूल धनराशि का तथा उस पर वाजिब ब्याज का भुगतान नहीं किया गया।
2. यह कि वादी साहूकारी का व्यापार करता है और उसने उसका उ०प्र० साहूकारी विनियम अधिनियम, 1976 के अन्तर्गत पंजीकरण प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया है तो उक्त ऋण को संबंधित प्रपत्र में प्रदर्शित कर रखा है।

**अथवा**

यह कि प्रतिवादी वादी का सम्बन्धी/मित्र/सुपरिचित व्यक्ति है और प्रतिवादी के यहाँ बीमारी/विवाह/आपातिक आवश्यकता के कारण वादी ने उक्त ऋण दिया था—वादी साहूकारी का व्यापार नहीं करता है बल्कि उसका यह एकल संव्यवहार है।

1. यह कि वाद का कारण दिनाँक ......... को ऋण देने, रूक्का रसीद के निष्पादन करने. माँग की प्रत्येक दिनाँक को तथा अन्त में मांग के पंजीकृत पत्र को प्रतिवादी द्वारा दिनाँक .......... को प्राप्त करने पर ......... (स्थान का नाम) पर माननीय न्यायालय के क्षेत्राधिकार में उत्पन्न हुआ और माननीय न्यायालय को उसके सुनने का क्षेत्राधिकार प्राप्त है।
2. यह कि वाद का मूल्यांकन मूल धनराशि व वाद योजित करने के दिनाँक तक प्रोद्भूत ब्याज अंकन ......... रु० पर न्यायालय के क्षेत्राधिकार के उद्देश्य किया जाता है और उस पर न्याय शुल्क भुगतान किया जाता है-वाद योजित करने के दिनाँक से भुगतान के दिन तक आज्ञाप्त किये जाने वाले देय ब्याज की धनराशि पर निष्पादन के समय न्याय शुल्क भुगतान दिया जायेगा।
3. 6. यह कि वादी निम्न अनुतोषों को प्रतिवादी से दिलाने की प्रार्थना करता है

(क) अंकन ......... रु० दिलाने की आज्ञाप्ति पारित की जावे

(ख) मूलधन अंकन ......... रु० पर वाद योजित करने के दिनाँक से भुगतान के दिनाँक तक.........% ब्याज दिलाया जावे

(ग) वाद का व्यय दिलाया जावे

(घ) कोई अन्य अनुतोष जो माननीय न्यायालय उचित समझे दिलाया जावे

**वादी .......**

**द्वारा अधिवक्ता .........**

सत्यापन

 मै, उपरोक्त नामित वादी यह सत्यापित करता हूँ कि वाद पत्र के प्रस्तर 1, 2 व 3 का कथन मेरे व्यक्तिगत ज्ञान में तथा प्रस्तर 4 व 5 का कथन विधिक राय पर आधारित है जो मेरी जानकारी में सत्य है।

 सत्यापन - आज दिन ............ दिनांक ............ स्थान ............ को लिया गया

**वादी .......**

**द्वारा अधिवक्ता .........**